पंक्तियों का आशय बताइए

1)जिसने साहस छोड़ दिया वह पहुंच सकेगा पार नहीं।

उत्तर-जिस व्यक्ति ने जिंदगी में साहस और आत्मबल को छोड़ दिया वह किसी लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकेगा।

2) जो जीवित जोश जगा ना सका उसे जीवन में कुछ सार नहीं।

उत्तर) जो स्वयं के साथ दूसरों को भी प्रेरित, उत्साहित, जोश से नहीं भर सका उसका जीवन निष्फल और अर्थहीन है।

3) जिस पर ज्ञानी भी मरते हैं तिस पर है दुनिया दीवानी।

उत्तर-हमारा देश अपार खज़ानों की भंडार है अर्थात देश की भूमि पर धन, संपदा, संस्कृति और ज्ञान का भंडार है। हमारे देश की महिमा इतनी महान है कि विद्वान भी इसकी संस्कृति और ज्ञान को पाने के लिए लालायित रहते हैं।

4) है काल-दीप जलता हरदम जल जाना है परवानों को।

उत्तर-कवि कहता है कि समय और मृत्यु निरंतर चलने वाली शक्तियां है।जिस तरह से दीप को देखकर परवाने अर्थात कीट आकर्षित होते हैं ठीक उसी तरह से मृत्यु रूपी दीपक की ओर जो सच्चे देशभक्त रूपी परवाने हैं वे आकर्षित होते हैं और देश के लिए अपने जीवन का बलिदान कर देते हैं।

5) भावना की गोद से उतरकर जल पृथ्वी पर चलना सीखे।

उत्तर) पंक्ति का तात्पर्य है किल्पनाा और भावना में न रहकर वास्तविक जीवन का सामना करना चाहिए।

6) चांद तारों सी अप्राप्य सच्चाइयों के लिए रूठना मचलना सीखे।

उत्तर) चांद और तारों तक पहुंचना कठिन और असंभव है।चांद और तारों प्राप्त करनी जैसे असंभव लगने वाले लक्ष्य को पान के लिए हमें हठ और प्रयास करते रहना चाहिए।